हिन्दी विभाग

श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल , टिहरी गढ़वाल

HINDI SYLLABUS
YEAR 2025

Based on Common Minimum Syllabus for Uttarakhand State Universities and Colleges
Four Year Undergraduate Programme- FYUP/Honours Programme/Master in Arts

N.E.P. 2020

14-6-2025

14.06.2025

CURRICULUM DESIGN COMMITTEE, UTTARAKHAND

S.N.	Name
1.	Prof. D.S. Rawat, Vice Chancellor, Kumaun University - Chairman
2.	Prof. N.K. Joshi, Vice Chancellor, Sri Dev Suman Uttarakhand University - Member
3.	Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor, Uttarakhand Open University - Member
4.	Prof. Surekha Dangwal, Vice Chancellor, Doon University, Dehradun - Member
5.	Prof. Satpal Singh Bisht, Vice Chancellor, S.S.J. University, Almora - Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat, Advisor, Rashtriya Uchchatarshiksha Abhiyan Uttarakhand - Member
7.	Prof. K.D. Purohit, Advisor, Rashtriya Uchchatar shiksha Abhiyan Uttarakhand - Member

EXPERT AND SYLLABUS PREPARATION COMMITTEE

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
01	PROF. CHANDRAKALA RAWAT	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
02	PROF. NIRMALA DHAILA BORA	PROFESSOR & HEAD/CONVENER	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
03	PROF. SHIRISH KUMAR MOURYA	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
04	PROF. PREETI ARYA	PROFESSOR	HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
05	PROF. MUKTINATH YADAV	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UNIVERSITY, RISHIKESH
06	DR. SHASHANK SHUKLA	ASSOCIATE PROFESSOR	HINDI	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
07	DR. SHUBH MATIYANI	ASSISTANT PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
08	DR. SHASHI PANDE	ASSISTANT PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
09	MISS MEDHA NAILWAL	ASSISTANT PROFESSOR (C)	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
10	PROF. SARIKA KALRA	PROFESSOR & EXTERNAL EXPERT	HINDI	LSR. COLLEGE, DELHI UNIVERSITY,NEW DELHI
11	DR. SATYA PRAKASH SINGH	ASSOCIATE PROFESSOR & EXTERNAL EXPERT	HINDI	DELHI UNIVERSITY, NEW DELHI

BOS COMMITTEE

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation	Signature
01	PROF. D.C. GOSWAMI (CHAIRMAN)	PROFESSOR	GEOGRAPHY	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14.6.25
02	PROF. SUCHITRA MALIK (MEMBER)	PROFESSOR	HINDI	GURUKUL KANGRI UNIVERSITY	14/06/2025
03	PROF. KALPANA PANT (MEMBER)	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14.6.2024
04	PROF. ADHEER KUMAR (MEMBER)	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14.06.2025
05	PROF. MUKTINATH YADAV (HOD & CONVENOR)	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY	14-6-2025

अनुक्रमणिका

01	प्रश्नपत्रों की सूची		
02	Programme Specific Outcomes (PSOs)		
03	प्रथम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	DSC 1	4
	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	GE 1	4
04	द्वितीय सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	हिन्दी कथा साहित्य	DSC 2	4
	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास(रीतिकाल एवं आधुनिक काल)	GE 2	4
05	तृतीय सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	रीतिकालीन काव्य	DSC 3	4
	हिन्दी निबन्ध	DSE 1	4
	लोक साहित्य	GE 3	4
06	चतुर्थ सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	काव्यांग विवेचन	DSC 4	4
	स्मारक साहित्य	DSE 2	4

	विज्ञान कथाएं	GE 4	4
07	पंचम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	DSC 5	4
	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	DSE 3	4
	सामान्य साहित्यिक सिद्धान्त	GE 5	4
	हिन्दी प्रोजेक्ट-1	IAPC 1	4
08	षष्ठ सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	DSC 6	4
	हिन्दी शोध-प्रविधि	DSE 4	4
	राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	GE 6	4
	हिन्दी प्रोजेक्ट-2	IAPC 2	4
09	सप्तम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	भारतीय काव्यशास्त्र	DSC 7	4
	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	DSE 5	4
	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	DSE 6	4
	हिन्दी आलोचना अथवा हिन्दी शोध प्रविधि	DSE 7	4
	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	DSE 5	4
	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	DSE 6	4

	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	GE 7	4
	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	DSE 5	4
	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	GE 7	4
	हिन्दी पत्रकारिता	GE8	4
	Dissertation on Major	Dissertation	6
	Dissertation on Minor	Dissertation	6
	Academic Project/ Enterprenureship	Dissertation	6
10	अष्टम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	DSC 8	4
	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE8	4
	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	DSE 9	4
	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	DSE 10	4
	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE 8	4
	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	DSE 9	4
	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	GE 9	4
	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE 8	4
	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	GE 9	4
	विशिष्ट अध्ययन : कबीर	GE 10	4

	Dissertation on Major	Dissertation	6
	Dissertation on Minor	Dissertation	6
	Academic Project/ Enterprenureship	Dissertation	6
11	नवम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
	लोक साहित्य	DSC 9	4
	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	DSE 11	4
	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	DSE 12	4
	भाषा विज्ञान	DSE 13	4
	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	DSE 11	4
	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	DSE 12	4
	गढ़वाली साहित्य	GE 11	4
	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	DSE 11	4
	गढ़वाली साहित्य	GE 11	4
	गढ़वाली भाषा	GE 12	4
	Dissertation on Major	Dissertation	6
	Dissertation on Minor	Dissertation	6
	Academic Project/ Enterprenureship	Dissertation	6
12	दशम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट

	भारतीय साहित्य	DSC 10	4
	उत्तराखंड के हिंदी कवि	DSE 14	4
	उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	DSE 15	4
	आधुनिक हिन्दी काव्य – छायावादोत्तर	DSE 16	4
	उत्तराखंड के हिंदी कवि	DSE 14	4
	उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	DSE 15	4
	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	GE 13	4
	उत्तराखंड के हिंदी कवि	DSE 14	4
	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	GE 13	4
	विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	GE 14	4
	Dissertation on Major	Dissertation	6
	Dissertation on Minor	Dissertation	6
	Academic Project/ Enterprenureship	Dissertation	6

Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
			List of all Papers in Ten Semester **Semester-wise Titles of the Papers in HINDI**		
			Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study -HINDI		
FIRST YEAR	I	DSC^{1}	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	Theory	4
		GE ^{1}	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	Theory	4
	II	DSC^{2}	हिन्दी कथा साहित्य	Theory	4
		GE ^{2}	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास(रीतिकाल एवं आधुनिक काल)	Theory	4
			Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study -HINDI		
SECOND YEAR	III	DSC^{3}	रीतिकालीन काव्य	Theory	4
		DSE^{1}	हिन्दी निबन्ध	Theory	4
		GE^{3}	लोक साहित्य	Theory	4
	IV	DSC^{4}	काव्यांग विवेचन	Theory	4
		DSE^{2}	स्मारक साहित्य : [illegible]	Theory	4
		GE^{4}	विज्ञान कथाएं	Theory	4
			Bachelor of in Multidisciplinary Study -HINDI		
	V	DSC^{5}	द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	Theory	4
		DSE^{3}	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	Theory	4

THIRD YEAR	VI	GE 5	सामान्य साहित्यिक सिद्धान्त	Theory	4
		IAPC 1	हिन्दी प्रोजेक्ट-1	Theory	4
		DSC 6	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	Theory	4
		DSE 4	हिन्दी शोध-प्रविधि	Theory	4
		GE 6	राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	Theory	4
		IAPC 2	हिन्दी प्रोजेक्ट-2	Theory	4
	PG Diploma/Honours in the Core Subject- HINDI				
FOURTH YEAR	VII	DSC 7	भारतीय काव्यशास्त्र	Theory	4
	GROUP -1	DSE 5	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		DSE 6	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	Theory	4
		DSE 7	हिन्दी आलोचना अथवा हिन्दी शोध प्रविधि	Theory	4
	GROUP -2	DSE 5	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		DSE 6	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	Theory	4
		GE 7	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	Theory	4
	GROUP -3	DSE 5	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		GE 7	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	Theory	4
		GE8	हिन्दी पत्रकारिता	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
			Dissertation on Minor	Theory	
			Academic Project/ Enterprenureship	Theory	

	VIII	DSC 8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Theory	4
	GROUP -1	DSE8	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	4
		DSE 9	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	Theory	4
		DSE 10	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	Theory	4
	GROUP -2	DSE 8	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	4
		DSE 9	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	Theory	4
		GE 9	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Theory	4
	GROUP -3	DSE 8	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	4
		GE 9	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Theory	4
		GE 10	विशिष्ट अध्ययन : कबीर	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
			Dissertation on Minor	Theory	
			Academic Project/ Enterprenureship	Theory	
	Master's in Core Subject- HINDI				
FIFTH YEAR	IX	DSC 9	लोक साहित्य	Theory	4
	GROUP -1	DSE 11	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	Theory	4
		DSE 12	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	Theory	4
		DSE 13	भाषा विज्ञान	Theory	4
	GROUP -2	DSE 11	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	Theory	4
		DSE 12	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	Theory	4

		GE 11	गढ़वाली साहित्य	Theory	4
	GROUP -3	DSE 11	हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	Theory	4
		GE 11	गढ़वाली साहित्य	Theory	4
		GE 12	गढ़वाली भाषा	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
			Dissertation on Minor	Theory	
			Academic Project/ Enterprenureship	Theory	
	X	DSC 10	भारतीय साहित्य	Theory	4
	GROUP -1	DSE 14	उत्तराखंड के हिंदी कवि	Theory	4
		DSE 15	उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	Theory	4
		DSE 16	आधुनिक हिन्दी काव्य – छायावादोत्तर	Theory	4
	GROUP -2	DSE 14	उत्तराखंड के हिंदी कवि	Theory	4
		DSE 15	उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	Theory	4
		GE 13	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	Theory	4
	GROUP -3	DSE 14	उत्तराखंड के हिंदी कवि	Theory	4
		GE 13	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	Theory	4
		GE 14	विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
			Dissertation on Minor	Theory	
			Academic Project/ Enterprenureship	Theory	

बहुविषयक अध्ययन पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रारूप (हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम)

UG

Year	Sem	Core(DSC) Credit 4	Elective (DSE) / Credit 4	Generic Eletive (GE) Credit 4	Ability Enhancement Course(AEC) Credit 2	Skill Enhancement Course(SEC) Credit 2	Internship/Apprenticeship /Project/Community Outreach (IAPC) Credit 4	Value Addition Course(VAC) Credit 2	Total Credit
I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	X	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)			X	--	
	II	हिन्दी कथा साहित्य	X	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास(रीतिकाल एवं आधुनिक काल)			X	--	
II	III	रीतिकालीन काव्य	हिन्दी निबन्ध	लोक साहित्य			X	---	
	IV	काव्यांग विवेचन	स्मारक साहित्य	विज्ञान कथाएं			X	---	

III	V	द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	सामान्य साहित्यिक सिद्धान्त	X		हिन्दी प्रोजेक्ट – I	----	
	VI	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	हिन्दी शोध-प्रविधि	राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	X		हिन्दी प्रोजेक्ट – II	---	
PG									
IV	VII	**DSC / Credit 4** भारतीय काव्यशास्त्र	**DSE / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**DSE / Credit 4**	**Dissertation /6 credits**			
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	हिन्दी आलोचना **अथवा** हिन्दी शोध प्रविधि	Dissertation on Major			
				OR					
			DSE / Credit 4	**DSE / Credit 4**	**GE/ Credit 4**				
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	Dissertation on Minor			
				OR					

			DSE / Credit 4	GE/ Credit 4	GE/ Credit 4				
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	हिन्दी पत्रकारिता	Academic Project/ Enterprenu reship			
	VIII	DSC / Credit 4 पाश्चात्य कव्यशास्त्र	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	**Dissertation /6 credits**			
			हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	Dissertation on Major			
			OR						
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE/ Credit 4				
			हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Dissertation on Minor			
			OR						

			DSE / Credit 4	GE/ Credit 4	GE/ Credit 4				
			हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	विशिष्ट अध्ययन : कवीर	Academic Project/ Enterprenureship			
V	IX	DSC / Credit 4 लोक साहित्य	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation /6 credits			
			हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	भाषा विज्ञान	Dissertation on Major			
			OR						
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE/ Credit 4				
			हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	निबन्ध एवं स्मारक साहित्य	गढ़वाली साहित्य	Dissertation on Minor			
			OR						
			DSE / Credit 4	GE/ Credit 4	GE/ Credit 4				
			हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	गढ़वाली साहित्य	गढ़वाली भाषा	Academic Project/			

					Enterprenu reship			
		OR						
X	DSC / Credit 4 भारतीय साहित्य	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation /6 credits			
		उत्तराखंड के हिंदी कवि	उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	आधुनिक हिन्दी काव्य – छायावादोत्तर	Dissertation on Major			
		OR						
		DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE/ Credit 4				
		उत्तराखंड के हिंदी कवि	उत्तराखंड के हिंदी कथाकार	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	Dissertation on Minor			
		OR						
		DSE / Credit 4	GE/ Credit 4	GE/ Credit 4				
		उत्तराखंड के हिंदी कवि	विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	Academic Project/ Enterprenureship			

Programme Specific Outcomes (PSOs) (Undergraduate Programme)After this programme, the learners will be able to:

PSO 1	शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 2	शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में हिन्दी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से आधुनिककाल) का आधारभूत सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 3	प्रथम वर्ष में शिक्षा में वाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजाविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।
PSO 4	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यांगों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 5	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में हिन्दी निबंध एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 6	शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में लोक साहित्य एवं विज्ञान कथाओं का ज्ञान प्राप्त करेगा ।
PSO 7	शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

PSO 8	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में हिन्दी की द्विवेदीयुगीन, छायावादी तथा हिंदी नाटक एवं एकांकी का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 9	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में छायावादोत्तर हिंदी कविता एवं हिंदी शोध प्रविधि का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 10	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में सामान्य साहित्यिक सिद्धांत एवं हिंदी शोध प्रविधि का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 11	शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम IAPC के अन्तर्गत प्रोजेक्ट करते हुए शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा ।

Programme Specific Outcomes (PSOs) PG Diploma/Honours/ Honours	
PSO 1	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 2	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में आदिकालीन काव्य, रीतिकालीन काव्य, हिंदी आलोचना, छायावादी काव्य एवं हिंदी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल) का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 3	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप, हिंदी पत्रकारिता, आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं एवं विशिष्ट अध्ययन के रूप में कबीर का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 4	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 5	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि के लिए आधारभूत समावेशी ज्ञान तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा ।
Programme Specific Outcomes (PSOs) -MASTER'S IN HINDI After this programme, the learners able to:	

PSO 1	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत **DSC** विषय के रूप में लोक साहित्य और भारतीय साहित्य का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है ।
PSO2	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत **DSE** विषय के रूप में हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य, निबंध एवं स्मारक साहित्य एवं भाषा विज्ञान का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO3	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत **GE** विषय के रूप में गढ़वाली साहित्य, गढ़वाली भाषा, विशिष्ट अध्ययन के रूप में प्रेमचंद एवं सूरदास का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO4	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO5	साहित्य ऐसा स्रोत है, जो समाज व उसकी दशा, गति, दिशा, उसके उद्वेलन आदि को सजीवता से चित्रित करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक गत्यात्मकता की पहचान प्राप्त करता है।
PSO6	हिन्दी साहित्य आदिकाल से भारत के इतिहासक्रम में मुस्लिमों के आगमन और तत्कालीन सामाजिक, समावेशीकरण/समांगीकरण राजव्यवस्था, धर्म, भक्ति के विभिन्न पंथ, सूफी, संत, नाथ, सिद्ध, निर्गुण-सगुण, रीति, राज्याश्रयी श्रृंगाराभिव्यक्ति आदि से लेकर आधुनिककाल की विभिन्न विचारधाराओं/आंदोलनों और अद्यतन उत्तरआधुनिक वैचारिक \परिदृश्य तक एक सुदीर्घ-सुलिखित दस्तावेज़ की तरह है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य के अध्ययन से साहित्य के साथ-साथ इस लम्बी परम्परा का भी ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO7	शिक्षार्थी साहित्य के पारंपरिक सांस्कृतिक आग्रहों के प्रति, नैतिक मूल्यों के प्रति सचेत होने के साथ-साथ इस महान भारतीय परम्परा के अग्रगामी आधुनिक स्वरूप का भी ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO8	भौतिकवादी जगत में निरन्तर बदलते जीवन मूल्यों से उपजी आस्था-अनास्था, आशा-निराशा, संगति-विसंगति आदि में जी रहे मानव समाज को सही दिशा निर्देश साहित्य ही करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्ययन कर सही व सच्चे अर्थ में समुन्नत जीवनमूल्यों का धारक मनुष्य बनता है।
PSO 9	शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विशिष्ट विषय के रूप में हिन्दी साहित्य का समग्र ज्ञान प्राप्त करता है।
PSO 10	शिक्षार्थी उच्चस्तरीय शोध एवं उच्चशिक्षा में अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान तथा योग्यता प्राप्त करता है।

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study - HINDI

SEMESTER - I

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: I	Semester:I Paper-DSC
CourseCode: DSC	Course Title: प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

CO1.शिक्षार्थी चंदबरदाई, जायसी व तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आदिकालीन वीरकाव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करताहै।

Credits: 4		Discipline Specific Course
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास , भक्तिकालीन हिन्दी काव्य : भक्ति आन्दोलन, प्रमुख सिद्धांत,निर्गुण काव्य–ज्ञान मार्ग और प्रेम–मार्ग,सगुण काव्य–रामभक्ति,कृष्णभक्ति,सूफी काव्य	09
Unit II	चन्दबरदाई और उनका काव्य : व्याख्या के लिए पृथ्वीराज रासो के पद्मावती समय से चयनित अंश ('पूरब दिसि गढ़ गढ़नपति' से 'मिलहि राज प्रथिराज जिय' तक /छन्द संख्या 1–10/ (kavitakosh.org)	09
Unit III	कबीर और उनका काव्य : व्याख्या के लिए साखी संख्या गुरूदेव कौ अंग–3,6,8;सुमिरन कौ अंग– 8,9,10;विरह कौ अंग–1,5,8;ज्ञान विरह कौ अंग–3,4,5; परचा कौ अंग–3,4,7;रस कौ अंग–1,4,7;लांबी कौ अंग–1,3,4; निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग–3,5,14; चितावनी कौ अंग–16,25,34) पद संख्या–16,40,43। (कबीर ग्रंथावली,सम्पादक–डा0 श्यामसुन्दर दास)	09
Unit IV	जायसी और उनका काव्य : व्याख्या के लिए 'मानसरोदक खण्ड' से कड़वक संख्या 4:1–4:8 (जायसी ग्रंथावली,सम्पादक–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)।	09
Unit V	सूरदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए विनय के पद–(1,2,23,24,25,39,44,45,46,52) सूरसागर सार,सम्पादक–डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद। भ्रमर गीत–(6,7,11,13,23,24,25,28,34,52,64) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ग्रंथावली, भाग 5, ना0 प्रचारिणी सभा,काशी।	09
Unit VI	तुलसीदास और उनका काव्य : व्याख्या के लिए रामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड से दोहा संख्या 125 से 131 तथा विनय पत्रिका से पद–संख्या – 88,91,105, 111,115,162,172 ,174,198, 245।	09
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	06

सहायक ग्रंथ

1. प्राचीन और मध्यकालीन काव्य, संपादक- डॉ०ममता थपलियाल , डॉ० अंकिता बोरा , समय साक्ष्य प्रकाशन .
2- कबीर: एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश, लोकभारती, 15 एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
3- जायसी: एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद,
4- हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER – I

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: I	Semester:I Paper-GE
CourseCode: GE1	Course Title: हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता एवं भक्तिकाल का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO2.शिक्षार्थी निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits: 4	Generic Electives	
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	12
Unit II	भक्ति आन्दोलन, प्रमुख सिद्धान्त, निर्गुण काव्य – ज्ञानमार्ग, प्रेममार्ग, सगुण काव्य – रामभक्ति, कृष्णभक्ति	12
Unit III	आदिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएं	12
Unit IV	भक्तिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएं	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वाँन प्रकाशन।

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
7. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : हिन्दी कथा साहित्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: I	Semester:II Paper-DSC
CourseCode: DSC2	Course Title: हिन्दी कथा साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	10
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास एवं शिल्प	10
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास एवं शिल्प	10
Unit IV	कगार की आग : हिमांशु जोशी	10
Unit V	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ: उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा – प्रेमचंद, आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, परदा -यशपाल, दोपहर का भोजन – अमरकान्त, वापसी – उषा प्रियंवदा	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

पाठ्यपुस्तक

1. कहानी सप्तक - संपादकःप्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी(व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)
2. कगार की आग : हिमांशु जोशी, भारतीय ज्ञानपीठ/वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सहायक ग्रंथ

1. कहानी: नई कहानी- डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
2. हिंदी कहानी: पहचान और परख- इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कहानी: संवाद का तीसरा आयाम- बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली,
5. कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद

SEMESTER – II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: I	Semester:II Paper-GE
CourseCode: GE²	Course Title: हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

Credits: 4	Generic Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	12
Unit II	रीतिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएं	12
Unit III	आधुनिक काल परिचय, इतिहास व प्रवृत्तियाँ	12
Unit IV	आधुनिक काल वर्गीकरण, विधाएं एवं प्रमुख रचनाकार	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1 हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वाँन प्रकाशन।

सहायक ग्रंथ

1. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study - HINDI

SEMESTER - III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:III Paper-DSC
CourseCode: DSC3	Course Title: रीतिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित रीतिकालीन कवियों केशवदास, बिहारी, देव, भूषण, सेनापति और घनानंद की कविताओं से परिचित होता है।

Credits: 4		Discipline Specific Course
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	09
Unit II	**केशवदास** – बानी जगरानी की उदारता बखानी जाए...,पूरण पुराण अरु पुरुष पुराण परि.., पुनि आए सरयू सरित तीर....,तुम अमल अनंत अनादि देव..., सीता कैसोदास नींद भूख प्यास उपहास त्रास।	09
Unit III	**बिहारी** –.मेरी भव बाधा हरौ...... मोर मुकुट कटि काछनी..., मोहन मूरति स्याम की..., तजि तीरथ हरि राधिका...., सनि कज्जल चख झख लगन..., जोग जुगति सिखए सबै ...., पिय बिछुरन को दुसह दुख..., झीने पट में झुलमुली ......, डारे ठोड़ी- गाड़, नैन बटोही मारी......, कीनै हूँ कोटिक जतन ...., सघन कुंज छाया सुखद..., चिरजीवी जोरी जुरै....., जनमु जलधि पानिप बिमलु...., समै .समै सुन्दर सबै रूपु. कुरुपु न कोई..., नहीं पराग नहीं मधुर मधु...।	09
Unit IV	**देव**– डारि द्रुम-पलना बिछौना नव- पल्लव के...., फटिक सिलानी सौं सुधार्‌यौ सुधा मंदिर....,झहरि झहरि झीनी बूँद है परति मानो...., दूलह को देखत हिए मैं हूलफूल है..., माखन सो मन दूध सो जोबन....,प्रेम समुद्र पर्‌यो गहिरे अभिमान के फेन रह्यो गहि रे मन..., प्रेम चरचा है अरचा है कुल नेमन रचा है...., माथे महावर को देखि महावर पाय सुढार ढुरीये...., मंद मही मोहक मधुर सुनियत..., मंद्र हास चंद्रिका को मंदिर बदन चंद्र....,मूरति जो मनमोहन की मनमोहनी के थिर है थिरकी..।	09
Unit V	**घनानंद**–वहै मुस्क्यानि, वहै मृदु बतरानि..., लाजनि लपेटी चितवनि भेद भाय भरि......., झलकै अति सुन्दर आनन गौर....,छवि को सदन मोद मंडित मदन....,हीन भए जन मीन अधीन...,क्यौ हँसि हेरि हरे हियरा....., रावरे रूप की रीति अनूप....., घनआनन्द जीवन मूल सुजान की....., आसा गुन बाँधि कै।	09
Unit VI	**भूषण**– एक समै सजि कै सब सैन सिकार को आलमगीर सिधाए....., मिलतहिं कुरुख चकत्ता को निरखि कीन्हो.....इंद्र जिमि जंभ पर..., साजि चतुरंग सैन..., सबन के ऊपर ही ठाड़ो रहिबै के जोग....., गरुड़ को दावा जैसे नाग के समूह पर.... ,बाने फहराने घहराने घंटा गजन के..., लाजनि लपेटी चितवनि ....., ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी......, त्रिभुवन में परसिद्ध एक अरि बल वह खंडिय।	09
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	06

सहायक ग्रंथ

1. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मध्यकालीन बोध का स्वरूप- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मध्यकालीन काव्य साधना- डॉ. वासुदेवसिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
4. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER - III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी निबंध	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:III Paper-DSE
CourseCode: DSE[1]	Course Title: हिन्दी निबंध	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों/निबंधों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	निबन्ध विधा – परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार,उद्भव एवं विकास	12
Unit II	बालकृष्ण भट्ट (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	8
Unit III	रामचन्द्रशुक्ल (कविता क्या है)	8
Unit IV	हजारी प्रसाद द्विवेदी (अशोक के फूल)	8
Unit V	हरिशंकर परसाई (पगडंडियों का ज़माना)	8
Unit VI	विद्यानिवास मिश्र (अस्ति की पुकार)	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

पाठ्यपुस्तक

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध- संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित निबन्ध)

सहायक ग्रंथ

1.प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।

2. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार- डॉ. गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।

SEMESTER - III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : लोक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:III Paper-GE
CourseCode: GE3	Course Title: लोक साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Generic Electives
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	**लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृति अध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ।**	10
Unit II	**लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत।**	10
Unit III	**लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप–रामलीला, स्वाँग, नौटंकी, जात्रा।**	10
Unit IV	**लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार -व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रूढियाँ एवं अभिप्राय।**	10
Unit V	**लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ–राजुला-मालूशाही अथवा तीलूरौतेली।**	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

पाठ्यपुस्तक

1. लोकसाहित्य–सम्पादक :प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित लोकसाहित्य)

सहायक ग्रंथ

1. लोक साहित्य की भूमिका :कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय :विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय लोक साहित्य :श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

SEMESTER – IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : काव्यांग विवेचन	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:IV Paper-DSC
CourseCode: DSC4	Course Title: काव्यांग विवेचन	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत रस के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत छंद के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत अलंकार के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत शब्द शक्ति के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता

Credits: 4		Discipline Specific Course
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	छंद – निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण - दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, सवैया, बरवै, गीतिका, कवित्त	12
Unit II	अलंकार – निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण - अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।	12
Unit III	रस : रसावयव - स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव। रसभेद- श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करुण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य – रसों के लक्षण एवं उदाहरण।	12
Unit IV	शब्दशक्तियाँ- शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. काव्यप्रदीप – रामबहोरी शुक्ल,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ-

1. काव्यांग विवेचन- डॉ. भगीरथ मिश्र एवं डॉ. बलभद्र तिवारी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद
2. रस, छंद, अलंकार- डॉ. केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा

SEMESTER – IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : स्मारक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:IV Paper-DSE
CourseCode: DSE2	Course Title: स्मारक साहित्य	

Course Outcomes:

CO 1. शिक्षार्थी को हिन्दी में स्मारक साहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है।

CO2 . शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है.

CO3. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	स्मारक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	5
Unit II	संस्मरण : तुम्हारी स्मृति–माखनलाल चतुर्वेदी, स्मरण का स्मृतिकार (रायकृष्ण दास) – अज्ञेय, दादा स्वर्गीय पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'–डॉ. नगेन्द्र, निराला भाई –महादेवी वर्मा रेखाचित्र : महाकवि जयशंकर प्रसाद –शिवपूजन सहाय, मकदूम बख्श– सेठ गोविन्ददास, एक कुत्ता और एक मैना – हजारीप्रसाद द्विवेदी, ये हैं प्रोफेसर शशांक –विष्णुकान्त शास्त्री	20
Unit III	जीवनी एवं आत्मकथा	10
Unit IV	यात्रावृत्त एवं रिपोर्ताज	10
Unit V	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएँ	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

पाठ्यपुस्तक

1.स्मरण वीथिका– प्रो. निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी स्मारक साहित्य- डॉ. केशवदत्त रुवाली एवं डॉ. जगत सिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
2. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ- डॉ. निर्मला ढैला एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

SEMESTER – IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विज्ञान कथाएं	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:IV Paper-GE
CourseCode: GE4	Course Title: विज्ञान कथाएं	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी को हिन्दी में विज्ञान कथा लेखन विधा का ज्ञान होता है।

CO2 . शिक्षार्थी में आधुनिक वैज्ञानिक चेतनासम्पन्न जीवनदृष्टि का विकास होता है।

CO3. शिक्षार्थी को महान वैज्ञानिकों के जीवन तथा विज्ञान से जुड़ी कथाओं को पढ़ने से तर्कसम्मत जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

Credits: 4		Generic Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	विज्ञान कथाएं – परिचय तथा संक्षिप्त इतिहास (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)	15
Unit II	सभ्यता की खोज (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)	12
Unit III	खेम एथेंस की डायरी (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)	12
Unit IV	मिशन धूमकेतु (मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी)	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	9

पाठ्यपुस्तक

1. मेरी प्रिय विज्ञान कथाएं – देवेंद्र मेवाड़ी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय विज्ञान की कहानी, गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन समूह

Bachelor of in Multidisciplinary Study- HINDI

SEMESTER - V

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : द्विवेदीयुगीन एवं छायावादीकाव्य	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: III	Semester:V Paper-DSC
CourseCode: DSC5	Course Title: द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी खड़ी वोली हिन्दी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		
Credits: 4		Discipline Specific Course
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना	10
Unit II	छायावादीकाव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना	10
Unit III	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (माँ की ममता, सच्चे देवते तथा साहसी)	6
Unit IV	मैथिलीशरणगुप्त (पंचवटी)	6
Unit V	जयशंकर प्रसाद (आँसू तथा गीत)	6
Unit VI	सुमित्रानंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)	6
Unit VII	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)	6
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत–धीरे धीरे उतर क्षितिज से, बीन भी हूँ मैं)	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

पाठ्यपुस्तक

1. **द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य- संपादकः प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)**

सहायक ग्रंथ

1.छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
2. छायावाद और रहस्यवाद- गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
3. आधुनिक कविता यात्रा- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. निराला: मूल्यांकन- इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. पंत की काव्य भाषा- कांता पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

SEMESTER - V

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : छायावादोत्तर हिन्दी कविता	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: III	Semester:V Paper-DSE
CourseCode: DSE3	Course Title: छायावादोत्तर हिन्दी कविता	

Course Outcomes:

CO 1. शिक्षार्थी छायावादोत्तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 2. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 4. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 5. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रमुख धाराएं (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता)	15
Unit II	समकालीन हिन्दी कविता : विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit III	कविताएँ एवं व्याख्या - 1 अज्ञेय (कलगी बाजरे की,यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (भूल-गलती, एक रग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. शमशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पथ है उदास झरना,वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण (नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे,गीतफ़रोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मैंने कब कहा, हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात, फ़र्क नहीं पड़ता)	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

पाठ्यपुस्तक

1. **छायावादोत्तर हिंदी कविता- संपादकः प्रो. शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएं)**

सहायक ग्रंथ

1.नई कविताएँ : एक साक्ष्य- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

2. नयी कविता: नये कवि- डॉ. विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद,

3. हिंदी के आधुनिक कवि- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,

4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, आधार शिला प्रकाशन, हल्द्वानी

SEMESTER - V

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : सामान्य साहित्यिक सिद्धांत	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme: -HINDI		Year: III	Semester:V Paper-GE
CourseCode: GE5	Course Title: सामान्य साहित्यिक सिद्धांत		

Course Outcomes:

CO1- शिक्षार्थी को साहित्य के सामान्य सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त होता है।

CO2- शिक्षार्थी को साहित्य के स्वरूप व विवेचन का ज्ञान प्राप्त होता है।

CO3- शिक्षार्थी को काव्य/कविता के विश्लेषण व विवेचन का ज्ञान प्राप्त होता है।

CO4- शिक्षार्थी को कथा साहित्य के विश्लेषण व विवेचन का ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits: 4 — Generic Electives

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	साहित्य का विवेचन (साहित्यालोचन – डॉ. श्यामसुन्दर दास)	15
Unit II	काव्य का विवेचन (साहित्यालोचन – डॉ. श्यामसुन्दर दास)	10

Unit III	कविता का विवेचन (साहित्यालोचन – डॉ. श्यामसुन्दर दास)	10
Unit IV	पाँचवे अध्याय का खंड-ख गद्यकाव्य (साहित्यालोचन – डॉ. श्यामसुन्दर दास)	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

पाठ्यपुस्तक

1. साहित्यालोचन- डॉ. श्यामसुंदर दास, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली

SEMESTER - V

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC : हिन्दी प्रोजेक्ट-1	4		2	2		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study	
Programme: – Hindi	Year: III Semester:V Paper-IAPC
Course Code: IAPC	Course Title: हिन्दी प्रोजेक्ट-1

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

SEMESTER – VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : नाटक एवं एकांकी	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme: -HINDI		Year: III	Semester:VI Paper-DSC
CourseCode: DSC6	Course Title: नाटक एवं एकांकी		

Course Outcomes:

CO 1. शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्य समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 4. शिक्षार्थी एकांकी की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 5. शिक्षार्थी एकांकी के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 6. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित एकांकियों के अध्ययन के आधार पर एकांकियों की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Course
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	नाटक : विधागतस्वरूप, उद्भव एवं विकास	12
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी	12
Unit III	एकांकी : विधागतस्वरूप, उद्भव एवं विकास	12
Unit IV	चार एकांकी – (संपादक- देव सिंह पोखरिया)	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1 **ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद),लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

2 **चार एकांकी – (संपादक- देव सिंह पोखरिया) अंकित प्रकाशन,हल्द्वानी**

सहायक ग्रंथ

1. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)
3. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी शोध प्रविधि	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI		Year: III Semester:VI Paper-DSE
CourseCode: DSE4	Course Title: हिन्दी शोध प्रविधि	

Course Outcomes:

CO1- शिक्षार्थी को हिन्दी की शोध प्रविधि का परिचय प्राप्त होता है।

CO2- शिक्षार्थी को अनुसंधान की अवधारणा, क्षेत्रों तथा प्रयोजन का ज्ञान प्राप्त होता है।

CO3- शिक्षार्थी को अनुसंधान के प्रकार एवं पद्धतियों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

CO4- शिक्षार्थी को अनुसंधान की रूपरेखा योजना तथा शोध प्रबंध लेखन का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुसंधान का स्वरूप, अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान तथा आलोचना	10

Unit II	अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियाँ : ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन	10
Unit III	साहित्यिक अनुसंधान की मूल-दृष्टि और उसके तत्व	8
Unit IV	अनुसंधान के चरण: विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याय योजना), सामग्री संकलन और उसका उपयोग, शोध साहित्य-समीक्षा	8
Unit V	शोधकार्य की प्राकल्पना, उदेश्य, और महत्व	8
Unit VI	शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा संदर्भ-उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ सूची एवं अनुक्रमणिका	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

पाठ्यपुस्तक

1. अनुसंधान प्रविधि – सिद्धांत और प्रक्रिया- एस. एन. गणेशन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: III	Semester:VI Paper-GE
CourseCode: GE6	Course Title: राष्ट्रवादी हिन्दी काव्य	
Course Outcomes: CO 1-शिक्षार्थी को राष्ट्र तथा भारतीय राष्ट्रवाद का ज्ञान प्राप्त होता। CO 2- शिक्षार्थी हिन्दी की राष्ट्रवादी काव्य धारा का ज्ञान प्राप्त होता है। CO 3- शिक्षार्थी में राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास होता है।		
Credits: 4	Generic Electives	

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	राष्ट्रवाद की अवधारणा, राष्ट्रवादी कवि	8

Unit II	मैथिलीशरण गुप्त (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit III	सुभद्राकुमारी चौहान (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit IV	सोहनलाल द्विवेदी (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit V	माखनलाल चतुर्वेदी (आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit VI	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'(आरम्भिक दो कविताएं)	8
Unit VII	रामधारी सिंह दिनकर (आरम्भिक दो कविताएं)	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	4

पाठ्यपुस्तक

1. कलम आज उनकी जय बोल (हिन्दी के राष्ट्रवादी कवि), विक्रम सेन सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली

SEMESTER – VI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC : हिन्दी प्रोजेक्ट-2	4		2	2		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme: – Hindi		Year: III	Semester:VI Paper-IAPC
Course Code: IAPC 2	Course Title: हिन्दी प्रोजेक्ट-2		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

PG Diploma/Honours/Honours in the Core Subject - HINDI

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper-DSC
CourseCode: DSC7	Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र	

Course Outcome

CO1. शिक्षार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की अत्यन्त समृद्ध परम्परा का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी काव्य लक्षणों, काव्य हेतु तथा काव्य प्रयोजनों के अध्ययन से कविता के शिल्प और विषयवस्तु से लेकर उसके वृहद् सामाजिक उद्देश्यों तक आलोचना का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3.विभिन्न काव्य तत्वों के संधान के आधार पर परम्परा में आचार्यों ने काव्य विवेचन किया, फलस्वरूप रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य सम्प्रदाय अस्तित्व में आए, जो पश्चिमी काव्य चिंतन में इस विस्तार के साथ नहीं मिलती। शिक्षार्थी इन काव्य सम्प्रदायों के अध्ययन से भारतीय परम्परा में काव्य चिंतन की विलक्षणता, गहराई और सैद्धान्तिक विस्तार का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Course
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	काव्यशास्त्र: परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।	10
Unit II	रस संप्रदाय: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण	10
Unit III	अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय	10
Unit IV	ध्वनि संप्रदाय	10
Unit V	वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
GROUP- 1			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE5	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		**Discipline Specific Electives**
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)**	10
Unit II	**चंदबरदाई: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो**	10
Unit III	**विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)**	10
Unit IV	**कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)**	10
Unit V	**मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत – संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)**	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो– भाषा और साहित्य : नामवर सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
CourseCode: DSE6	Course Title: सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं से रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूरदास के काव्य में उपस्थित प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।

CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सामाजिक मान्यताओं व मतों के बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।

CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रूढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4 | **Discipline Specific Electives**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**सूरदासः भ्रमरगीत सारः** संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	10
Unit II	**तुलसीदासः विनयपत्रिकाः** (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) गीताप्रेस गोरखपुर।	10
Unit III	**केशवदासः संक्षिप्त रामचन्द्रिकाः** संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु अयोध्यापुरी वर्णन)रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।	10
Unit IV	**बिहारीः बिहारी रत्नाकरः** संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर(व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	10
Unit V	**घनानंदः घनानंद कवित्तः** संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी आलोचना	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
Course Code: DSE7	Course Title: हिन्दी आलोचना	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी आलोचना के विकास क्रम का अध्ययन करते हुए आलोचना परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए ऐतिहासिक, सैद्धान्तिक और व्यावहारिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए साहित्येतिहास की मौलिक समझ और ऐतिहासिक-सैद्धान्तिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी में प्रगतिशील आलोचना, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भाषा एवं समाज के अन्त:सम्बन्धों का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी की मार्क्सवादी- प्रगतिशील आलोचना, नयी समीक्षा तथा हिन्दी में पाश्चात्य आलोचना सिद्धान्तों के अनुप्रयोगों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी मुक्तिबोध के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए कामायनी जैसे आधुनिक महाकाव्यों तथा आधुनिक कविता के आलोचना सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी डॉ. नगेन्द्र के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए भारतीय परम्परा के रस सिद्धान्त की आधुनिक व्याख्या तथा प्राचीन पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा के नवीन अनुशीलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिन्दी आलोचना : परिचय, उद्भव एवं विकास	10
Unit II	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना सिद्धान्त	10
Unit III	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit IV	डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit V	नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit VI	विशेष अध्ययन : मुक्तिबोध एवं डॉ. नगेन्द्र का आलोचना कर्म	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी आलाचना – शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
3. हिन्दी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी शोध प्रविधि	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi	अथवा	Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
Course Code: DSE7 A	Course Title: हिन्दी शोध प्रविधि		

Course Outcomes:

CO1- शिक्षार्थी को हिन्दी की शोध प्रविधि का परिचय प्राप्त होता है।

CO2- शिक्षार्थी को अनुसंधान की अवधारणा, क्षेत्रों तथा प्रयोजन का ज्ञान प्राप्त होता है।

CO3- शिक्षार्थी को अनुसंधान के प्रकार एवं पद्धतियों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

CO4- शिक्षार्थी को अनुसंधान की रूपरेखा योजना तथा शोध प्रबंध लेखन का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	अनुसंधान का स्वरूप,अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान तथा आलोचना	10
Unit II	अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियाँ : ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन	10
Unit III	साहित्यिक अनुसंधान की मूल-दृष्टि और उसके तत्व	10
Unit IV	अनुसंधान के चरण: विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याय योजना), सामग्री संकलन और उसका उपयोग, शोध साहित्य-समीक्षा	10
Unit V	शोधकार्य की प्राक्कल्पना, उदेश्य, और महत्व	8
Unit VI	शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा संदर्भ- उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ सूची एवं अनुक्रमणिका	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	4

पाठ्यपुस्तक

1. अनुसंधान प्रविधि – सिद्धांत और प्रक्रिया- एस. एन. गणेशन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject			
GROUP- 2			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE5	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		**Discipline Specific Electives**
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**अब्दुल रहमानः संदेश रासक**, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	**चंदबरदाईः (रेवा तट)** पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	**विद्यापतिः** संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	**कबीरदासः कबीर वाणी पीयूष**, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	**मलिक मुहम्मद जायसीः पद्मावत** – संपा.वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो– भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE6	Course Title: सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं से रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूरदास के काव्य में उपस्थित प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।

CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सामाजिक मान्यताओं व मतों के बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।

CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रूढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	**सूरदासः भ्रमरगीत सारः** संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	**10**
Unit II	**तुलसीदासः विनयपत्रिकाः** ((व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) गीताप्रेस गोरखपुर।	**10**
Unit III	**केशवदासः संक्षिप्त रामचन्द्रिकाः** संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु अयोध्यापुरी वर्णन)रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।	**10**
Unit IV	**बिहारीः बिहारी रत्नाकरः** संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर(व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	**10**
Unit V	**घनानंदः घनानंद कवित्तः** संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	**10**
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	**10**

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VII Paper- GE
Course Code: GE7	Course Title: अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	

Course Outcomes:

CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

Credits:4		Generic Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुवादः परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूपः अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प। अनुवाद की इकाईः शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधिः विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकारः कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।अनुवाद की समस्याएँः सुजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ.	12
Unit IV	अनुवाद के उपकरणः कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि। अनुवादः पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन। मशीनी अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की अवधारणा और प्रकृतिः पाठ शब्द, प्रति शब्द। शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. अनुवाद क्या है : डॉ. भ् ह राजुरकर, एवं डॉ.राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रकिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान – सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 3		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE5	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**अब्दुल रहमानः संदेश रासक**, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	**चंदबरदाईः (रेवा तट)** पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	**विद्यापतिः** संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	**कबीरदासः कबीर वाणी पीयूष**, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	**मलिक मुहम्मद जायसीः पद्मावत** – संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो– भाषा और साहित्य : नामवर सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper- GE
CourseCode: GE7	Course Title: अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप	

Course Outcomes:

CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुवादः परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूपः अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प। अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधिः विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकारः कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।अनुवाद की समस्याएँ: सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ.	12
Unit IV	अनुवाद के उपकरणः कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि। अनुवादः पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन। मशीनी अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की अवधारणा और प्रकृतिः पाठ शब्द, प्रति शब्द। शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. अनुवाद क्या है : डॉ. भ् ह राजुरकर, एवं डॉ.राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रकिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान – सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : हिन्दी पत्रकारिता	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VII Paper- GE
Course Code: GE8	Course Title: हिन्दी पत्रकारिता	

Course Outcomes:

CO1. पत्रकारिता रोज़गार का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसका विस्तार बढ़ता जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी पत्रकारिता का मूलभूत ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी विश्व तथा हिन्दी पत्रकारिता का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी हिन्दी में पत्रकारिता के मूल तत्वों तथा प्रकारों का तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी समाचार-संकलन तथा सम्पादन कला के समस्त पक्षों का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन यथा सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन, दृश्य सामग्री आदि का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा मुद्रण कला का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी भारतीय संविधान, प्रेस क़ानून तथा पत्रकारिता की आचार संहिता का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO8. समग्रता में शिक्षार्थी पत्रकार बनने की प्रेरणा, आधारभूत ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		
Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ। हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	10
Unit II	समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया। समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। समाचार के विभिन्न स्रोत। संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।	10
Unit III	पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता। प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा। पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।	10
Unit IV	इलैक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता: रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता। लोक-संपर्क तथा विज्ञापन। प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।	10
Unit V	मुक्त प्रेस की अवधारणा।प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी पत्रकारिता हमारी विरासत : प्रो. शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास : अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंसार : ठाकुरदत्त शर्मा आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रेसक़ानून और आचार संहिता : शशि प्रकाश राय, आर के पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूर्स, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VII Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSC
Course Code: DSC8	Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी साहित्यालोचन की पश्चिमी परम्परा का विस्तृत ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी प्राचीन यूनानी विचारक प्लेटो, अरस्तू तथा लोंगिनुस की काव्य मूल्यांकन सम्बन्धी मान्यताओं और स्थापनाओं यथा काव्य- सत्य, अनुकरण व विरेचन, त्रासदी विवेचन, उदात्त की अवधारणा आदि का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अंग्रेज़ी के महत्वपूर्ण साहित्यालोचक मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, आई. ए. रिचर्ड्स और टी. एस. इलियट, वर्ड्सवर्थ और कालरिज के समालोचन सिद्धान्तों का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग्रेज़ी कवि वर्ड्सवर्थ के काव्यभाषा सिद्धान्त और कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का ऐतिहासिक परिचय और सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय. प्लेटो के काव्य सिद्धांत	10
Unit II	अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइन्स: उदात्त की अवधारणा एवं भेद।	10
Unit III	मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद,	10
Unit IV	आई. ए. रिचर्ड्स: काव्यमूल्य, टी. एस. इलियट: कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	10
Unit V	वर्ड्सवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज: कल्पना और फैंटेसी सिद्धांत।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : सम्पादक निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उदात्त के विषय में : निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 1		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE 8	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	

Course Outcomes:

CO1 शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
Course Code: DSE9	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		**Discipline Specific Electives**
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**आधुनिक काल की पृष्ठभूमिः भारतेन्दु युगः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युगः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।**	12
Unit II	**छायावादः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युगः प्रगतिवाद, प्रयोगवादः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्यः पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।**	12
Unit III	**हिंदी गद्य साहित्य का विकासः नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।**	12
Unit IV	**हिंदी का स्मारक साहित्यः संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।**	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक 1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ –

1- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2- हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3- हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4- हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6- हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE :आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
Course Code: DSE[10]	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी नवजागरण में खड़ी बोली हिन्दी में काव्यरचना के सशक्त आरम्भ के साक्ष्य प्राप्त करता है। मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में स्त्री के मूक संघर्षों व बलिदानों के चित्रण का महत्वपूर्ण अभिलेख बनाती है, शिक्षार्थी इस पुस्तक के अध्ययन से हिन्दी में स्त्री विमर्श के बहुत आरंभिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा और उनकी कविताओं के अध्ययन से छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति, प्रेम, सौन्दर्य, भारत की गहन भारतीय परम्परा तथा विचार की नवीन आधुनिक सरणियों/पद्धतियों का रचनात्मक एवं

सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मैथिलीशरण गुप्तः साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगांव झाँसी।	10
Unit II	जयशंकर प्रसादः कामायनी (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।	10
Unit III	सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाः राग-विराग, संपा. रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए 'राम की शक्तिपूजा), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
Unit IV	सुमित्रानंदन पंतः रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
Unit V	महादेवी वर्माः संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. मैथिलीशरण : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जयशंकर प्रसादः नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. छायावाद – प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. महादेवी : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कवि सुमित्रानंदन पंत : नंदकिशोर नवल, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 2		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE8	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		**Discipline Specific Electives**
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।**	12
Unit II	**मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।**	12
Unit III	**भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।**	12
Unit IV	**रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।**	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इला

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
CourseCode: DSE9	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि का परिचय व

ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमिः भारतेन्दु युगः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युगः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावादः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युगः प्रगतिवाद, प्रयोगवादः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्यः पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12
Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकासः नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का स्मारक साहित्यः संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ –

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
7. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ : निर्मला ढैला एवं रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: IV Semester:VIII Paper- GE
Course Code: GE9	Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी योरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।

CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में पश्चिम के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।

CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।

CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पुनर्जागरण	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10
Unit III	मनोविश्लेषणवाद	10
Unit IV	अस्तित्ववाद	10
Unit V	संरचनावाद	10
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियां, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
GROUP- 3		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE8	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Electives	
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1.हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2.हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

3.हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
CourseCode: GE9	Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी योरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।

CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में पश्चिम के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।

CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।

CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पुनर्जागरण	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10
Unit III	मनोविश्लेषणवाद	8
Unit IV	अस्तित्ववाद	8
Unit V	संरचनावाद	8
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियां, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उत्तरआधुनिकता (बहुआयामी संदर्भ) , पांडेय शशिभूषण शीतांशु

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : कबीर	4	3	1	0		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
Course Code: GE10	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : कबीर	

Course Outcomes:

CO1. विश्व की प्राचीन कविता परम्परा में भारत की भक्तिकालीन निर्गुण धारा के कवि कबीर का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व भर में उन पर शोधकार्य हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कबीर की कविता एवं दर्शन का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से भक्ति आंदोलन, संत परम्परा तथा निर्गुण काव्यधारा का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से मध्यकालीन भारतीय समाज तथा उसमें उपस्थित जाति-धर्म, अज्ञान, अंधविश्वास आदि के विरुद्ध प्रतिरोध का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कविता के दार्शनिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी कविता के सामाजिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी साहित्य की समग्र आध्यात्मिक एवं सामाजिक समीक्षा का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**व्याख्या हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली (पद संख्या : 160-209)**	20
Unit II	**भूमिका : कबीर ग्रंथावली- परिमार्जित पाठ- संपा. श्यामसुंदर दासः नवीन परिमार्जित संस्करण- पुरुषोत्तम अग्रवाल राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली**	15
Unit III	**सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली**	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. कबीर की खोज : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर की चिंता – वलदेव वंशी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर : सम्पादक – विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

PG Diploma/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: IV	Semester:VIII Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	**Dissertation on Major**	
GROUP II OR	**Dissertation on Minor**	
GROUP III	**Academic Project/ Enterprenureship**	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

Master's in Core Subject- HINDI

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : लोक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:IX Paper-DSC
Course Code: DSC9	Course Title: लोक साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. किसी भी समाज और राष्ट्र की एक मूल लोक परम्परा होती है, जिससे उस राष्ट्र और समाज के समग्र सामाजिक चरित्र का निर्माण होता है। वैश्विक स्तर पर लोक साहित्य के अध्ययन एवं शोध को महत्वपूर्ण माना गया है तथा विश्वविद्यालयों में इसके पृथक विभाग स्थापित किए गए हैं। लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी इस मूल लोक परम्परा के अर्थ, स्वरूप और महत्व का परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी लोक संस्कृति और लोक साहित्य के विविध सैद्धान्तिक पक्षों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अभिजात साहित्य और लोक साहित्य के अंतर्सम्बन्धों का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया(संकलन तथा पाठ निर्धारण) का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विविध रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी लोक साहित्य के शोध का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4 | **Discipline Specific Course**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	लोक और लोक-वार्ता, लोक-विज्ञान।	10
Unit II	लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य का स्वरूप	10
Unit III	अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।	10
Unit IV	लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।	10
Unit V	लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय लोक साहित्य : श्यामपरमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय
5. 21 श्रेष्ठ लोककथाएँ उत्तराखंड, सम्पादक – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, डायमंड बुक्स, दिल्ली

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
GROUP- 1			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE11	Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।	15
Unit III	मोहन राकेशः आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	एकांकी सुमनः सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ल

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper- DSE
CourseCode: DSE12	Course Title: निबंध एवं स्मारक साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करताहै।

CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	**Topic**	**No. of Hours**

Unit I	हिंदी निबंध मंजूषा - नीरजा टंडनः (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण भट्ट), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू(हजारीप्रसाद द्विवेदी), प्रेमचन्द के फटे जूते (हरिशंकर परसाई) ,कविता का भविष्य (रामधारी सिंह दिनकर),चेतना का संस्कार (अज्ञेय), आदिकाव्य(रामविलास शर्मा), साहित्य का स्तर (डॉ.नगेन्द्र), आम्रमंजरी(विद्यानिवास मिश्र), अपनी ही मौत पर (धर्मवीर भारती), राघवः करुणोरसः (कुबेरनाथ राय),निबन्ध की तलाश में (रमेशचन्द्र शाह) ।	20
Unit II	पथ के साथी - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit III	स्मारक साहित्य संग्रह - केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्टः तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. स्मारक साहित्य की विधाएँ : डॉ. निर्मला ढैला बोरा एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन प्रकाशन, अलीगढ़

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : भाषा विज्ञान	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:IX Paper- DSE
Course Code: DSE13	Course Title: भाषा विज्ञान		

Course Outcomes:

CO1. Linguistics अर्थात् भाषा-विज्ञान भाषा एवं साहित्य ही नहीं, अभिव्यक्तियों के सन्दर्भ में समाज को समझने की पद्धति के रूप में विकसित होने वाला विषय भी है। अत: इस पाठ्यक्रम से शिक्षार्थी भाषा विज्ञान के अर्थ, स्वरूप, भाषा व्यवस्था,भाषा व्यवहार और उसके महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी भाषा प्रयोगशालाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन व शोध हेतु आधार योग्यता व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन-शाखाओं यथा स्वन, स्वनिम, रूप, रूपिम, वाक्य, अर्थ आदि का सैद्धान्तिक व तकनीकी ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी भाषा की सामाजिक संरचनाओं तथा भाषा के स्वरूप के आधार पर सामाजिक अभिव्यक्ति के अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी साहित्यिक कृतियों के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन का ज्ञान व प्राशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक-प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।	15
Unit II	स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।	15
Unit III	रूपप्रक्रिया: रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त- आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण,गहन संरचना और बाह्य संरचना।	12
Unit IV	अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

सहायक ग्रंथ –

1. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अद्यतन भाषा विज्ञान : पांडेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय भाषा विज्ञान : किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भाषा विज्ञान – सैद्धान्तिक चिंतन : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
GROUP- 2			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE11	Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कगार की आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	Discipline Specific Electives	
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।**	15
Unit II	**हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।**	15
Unit III	**मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।**	10
Unit IV	**एकांकी सुमन: सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।**	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : निबंध एवं स्मारक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper- DSE
CourseCode: DSE12	Course Title: निबंध एवं स्मारक साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	हिंदी निबंध मंजूषा - नीरजा टंडनः (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण भट्ट), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारु(हजारीप्रसाद द्विवेदी), प्रेमचन्द के फटे जूते (हरिशंकर परसाई) ,कविता का भविष्य (रामधारी सिंह दिनकर),चेतना का संस्कार (अज्ञेय), आदिकाव्य(रामविलास शर्मा), साहित्य का स्तर)डॉ.नगेन्द्र, आम्रमंजरी(विद्यानिवास मिश्र), अपनी ही मौत पर (धर्मवीर भारती), राघवः करुणोरसः (कुबेरनाथ राय),निबन्ध की तलाश में (रमेशचन्द्र शाह) ।	20
Unit II	पथ के साथी - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit III	स्मारक साहित्य संग्रह - केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्टः तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. स्मारक साहित्य की विधाएँ : डॉ. निर्मला ढैला बोरा एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन प्रकाशन, अलीगढ़

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : गढ़वाली साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:IX Paper- GE
Course Code: GE[11]	Course Title: गढ़वाली साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली लोक-साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु गढ़वाली लोक साहित्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी गढ़वाली के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षात्मक आकलन का ज्ञान व प्रशिक्षिण प्राप्त करता है।

Credits:4	Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
खंड (क) गढ़वाली लोक साहित्य Unit I	गढ़वाली लोकगीतः गोविन्द चातक में संकलित देवतों की थाती, मेरो गढ़वाल, जाग, बीजी जावा, नगेलो, ओजो झाड़ो, छोलका, ब्याई, फ्यूली रौतेली वैदेश जौला लोकगीत जुगलकिशोर एंड कंपनी राजपुररोड देहरादून	10
Unit II	गढ़वाली लोक गाथाएँ - : गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून। व्याख्या हेतु प्रारंभ की पांच कहानियां	10
Unit III	गढ़वाल की लोक कथाएं : डॉ0 शिवानंद नौटियाल (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 5 लोककथाएँ)	10
खंड (ख) गढ़वाली साहित्य Unit IV	बुरांश को पीड़ः मोहनलाल नेगी, सदेई तारादत्त गैरोला (प्रारंभ के पचास छंद) सिंह सूक्तियां, हमारि जननी– भजन सिंह 'सिंह', देव बड़ को वर्णन– चंद्रमोहन रतूड़ी, ढिमढिग– भगवती चरण निर्मोही, ब्बै की चिट्ठी– सुदामा प्रसाद प्रेमी , मुट्ठ बोटिक रख–नरेन्द्र सिंह नेगी	10
Unit V	खबेश– प्रेमलाल भट्ट(निबन्ध), क्या गोरी क्या सौळी–बोविन्द चातक (निबन्ध)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. गढ़वाली लोकसाहित्य का विवेचनात्मक अध्ययनः मोहनलाल बाबूलकर, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. . भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भः मध्यहिमालयः डॉ0 गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.. गढ़वाली लोकगीतः एक सांस्कृतिक अध्ययनः डॉ0 गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गढ़वाल का लोक संगीत एवं वाद्य : शिवानंद नौटियाल, सुलभ प्रकाशन
5. गढ़वाली लोकगाथाएंः गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून।
6. गढ़वाली भाषा का शब्दकोशः जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
7. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृतिः डॉ0 मुक्तिनाथ यादव, लोकमित्र , दिल्ली।
8. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखाः अबोधबन्धु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
9. . गढ़वाली भाषा और उसका साहित्यः डॉ0 हरिदत्त भट्ट''शैलेष'', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. . उत्तराखण्ड की लोकगाथाएं–एक विवेचनः डॉ0 प्रयाग जोशी, समय साक्ष्य, देहरादून।

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
GROUP- 3			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:IX Paper-DSE
CourseCode: DSE[11]	Course Title: हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों-समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कगार की आग के अध्ययन से भारतीय समाज में दलित एवं शोषित वर्ग की पीड़ा का साक्षात्कार करते हुए एक नए सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा आधे-अधूरे के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गोदान – प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	15
Unit II	हिंदी कहानी के नौ कदम – सं. बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।	15
Unit III	मोहन राकेश: आधे अधूरे, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।	10
Unit IV	एकांकी सुमन: सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण)
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : गढ़वाली साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: – Hindi	Year: V Semester:IX Paper- GE
Course Code: GE11	Course Title: गढ़वाली साहित्य

Course Outcomes:

CO1. भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली लोक-साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक गीतों के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से गढ़वाली लोक कथाओं के स्वरूप, विषयवस्तु एवं प्रकार का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु गढ़वाली लोक साहित्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी गढ़वाली के आधुनिक साहित्य का अध्ययन कर उसके समीक्षात्मक आकलन का ज्ञान व प्रशिक्षिण प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
खंड (क) गढ़वाली लोक साहित्य Unit I	**गढ़वाली लोकगीतः** गोविन्द चातक में संकलित देवतों की थाती, मेरो गढ़वाल, जाग, बीजी जावा, नगेलो, ओजो झाड़ो, छोलका, ब्याई, फ्यूली रौतेली वैदेश जौला लोकगीत जुगलकिशोर एंड कंपनी राजपुररोड देहरादून	10
Unit II	गढ़वाली लोक गाथाएँ : गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून। व्याख्या हेतु प्रारंभ की पांच कहानियां	10
Unit III	**गढ़वाल की लोक कथाएं** : डॉ0 शिवानंद नौटियाल (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 5 लोककथाएँ)	10
खंड (ख) गढ़वाली साहित्य Unit IV	बुरांश को पीड़: मोहनलाल नेगी, सदेई तारादत्त गैरोला (प्रारंभ के पचास छंद) सिंह सूक्तियां, हमारि जननी– भजन सिंह 'सिंह', देव बड़ को वर्णन– चंद्रमोहन रतूड़ी, ढिमढिग– भगवती चरण निर्मोही, ब्वै की चिट्ठी– सुदामा प्रसाद प्रेमी , मुट्ठ बोटिक रख–नरेन्द्र सिंह नेगी	10
Unit V	खबेश– प्रेमलाल भट्ट(निबन्ध), क्या गोरी क्या सौळी–बोविन्द चातक (निबन्ध)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. गढ़वाली लोकसाहित्य का विवेचनात्मक अध्ययनः मोहनलाल बाबूलकर, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. . भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भः मध्यहिमालयः डॉ0 गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.. गढ़वाली लोकगीतः एक सांस्कृतिक अध्ययनः डॉ0 गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गढ़वाल का लोक संगीत एवं वाद्य : शिवानंद नौटियाल, सुलभ प्रकाशन
5. गढ़वाली लोकगाथाएंः गोविन्द चातक , मोहिनी प्रकाशन, देहरादून।
6. गढ़वाली भाषा का शब्दकोशः जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
7. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृतिः डॉ0 मुक्तिनाथ यादव, लोकमित्र , दिल्ली।
8. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखाः अबोधबन्धु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
9. . गढ़वाली भाषा और उसका साहित्यः डॉ0 हरिदत्त भट्ट''शैलेष'', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : गढ़वाली भाषा	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:IX Paper- GE
Course Code: GE12	Course Title: गढ़वाली भाषा		
CO 1. साहित्य की नई पद्धति में क्षेत्रीय भाषा के अध्ययन का महत्त्व बढ़ा है। गढ़वाली भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी गढ़वाली और गढ़वाली भाषा का परिचय एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है । CO 2 . शिक्षार्थी गढ़वाली के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO 3. शिक्षार्थी गढ़वाली के भाषिक स्वरूप का सैद्धांतिक ज्ञान व परिचय प्राप्त करता है।			
Credits:4			Generic Elective

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	गढ़वाल शब्द की व्युत्पत्ति : विभिन्न मत, गढ़वाली की मानक वर्तनी।	12

Unit II	गढ़वाली भाषा का विकास : उद्भव और क्रमिक विकास, गढ़वाली भाषी क्षेत्र, गढ़वाली की विविध बोलियाँ	12
Unit III	गढ़वाली का व्याकरण : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, लिपि	12
Unit IV	गढ़वाली शब्द : संरचना – गढ़वाली शब्दसम्पदा(शब्द समूह), वर्गीकरण, गढ़वाली के कोश विषयक कार्य ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. गढ़वाली भाषा और संस्कृति : डॉ0 मुक्तिनाथ यादव, लोकमित्र प्रकाशन, दिल्ली।
2. गढ़वाली भाषा का शब्दकोशः जयलाल वर्मा, कोटद्वार।
3. गढ़वाली भाषा की शब्द संपदाः रमाकांत बेंजवाल,
4. गढ़वाली व्याकरण की रूपरेखाः अबोधबन्धु बहुगुणा, गढ़वाल साहित्य मण्डल, दिल्ली।
5. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्यः डॉ0 हरिदत्त भट्ट''शैलेष'', तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. उत्तराखण्ड समग्र ज्ञानकोशः डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद बलोदी, बिनसर पब्लिशिंग कम्पनी, देहरादून।.
7. उत्तराखण्ड का जन इतिहास, लोकसंस्कृति एवं समाजः डॉ0 विजय बहुगुणा, समयसाक्ष्य, देहरादून।
8. उत्तराखण्ड की लोकगाथाएं–एक विवेचनः डॉ0 प्रयाग जोशी, समय साक्ष्य, देहरादून।
9. गढ़वाली गद्य परंपरा–इतिहास से वर्तमानः डॉ0 अनिल डबराल, तनुज प्रासेस, दिल्ली।

10 मध्य हिमालय, भाषा, लोक और प्राचीन स्थान–नामः ताराचंद त्रिपाठी.

SEMESTER IX

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: V	Semester:IX Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रवंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6

Unit	Topic	No. of

		Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : भारतीय साहित्य	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper-DSC
CourseCode: DSC10	Course Title: भारतीय साहित्य	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी भारतीयता की मूल भावना, भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा समाजशास्त्र से परिचित होता है।

CO2. शिक्षार्थी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के हिन्दी अनुवाद और अध्ययन की समस्याओं से परिचित होता है।

CO3. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के समग्र स्वरूप और महत्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी भारत के दक्षिणी भाषा वर्ग(मलयालम, तमिल, तेलगु व कन्नड़), पूर्वी भाषा वर्ग (उड़िया, बंगला, असमिया व मणिपुरी तथा पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग(मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी व उर्दू) के साहित्य का सामान्य परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित अनूदित पुस्तकों के अध्ययन से भारतीय साहित्य का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से जनसाधारण के स्तर पर राष्ट्र की एकता, सम्पूर्णता, विराटता व अखंडता का साक्षात्कार करता है।

CO7. शिक्षार्थी में राष्ट्रगौरव और राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास होता है

Credits: 4	Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	1. भारतीय साहित्य का स्वरूप 2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं 3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब 4. भारतीयता का समाजशास्त्र 5. हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित भारतीय मूल्य	15
Unit II	दक्षिणात्य भाषा वर्ग : तमिल , तेलुगु , कन्नड़ , मलयालम पूर्वांचल भाषा वर्ग : उड़िया , बंगला , असमिया , मणिपुरी	25
Unit III	पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग: मराठी , गुजराती , कश्मीरी , पंजाबी , उर्दू उपरोक्त भाषाओं के साहित्य का परिचय , विशेषताएं व प्रतिनिधि रचनाकार	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	05

सहायक ग्रंथ –

1. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : एहतेशाम हुसैन,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मराठी और उसका साहित्य : प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य की भूमिका– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : मूलचंद गौतम, , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य : लक्ष्मीकांत पांडेय एवं प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
GROUP- 1		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper-DSE
CourseCode: DSE14	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि	

Course Outcomes:

CO1.आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक- रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक है, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		**Discipline Specific Elective**
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ	**05**
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुँवर बर्त्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	**10**
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	**10**
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	**10**
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	**10**
Unit VI	राजेश सकलानी - (व्याख्या के लिए विस्मृत पहाड़ , पुश्तों का बयान , हमसे उम्मीद करो , खिलौने , खामोश बच्ची कविताएँ)	**10**
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	**5**

सहायक ग्रंथ –

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper- DSE
CourseCode: DSE15	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	

Course Outcomes:

CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान पाप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तरआधुनिक कथ्य(स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-ग्लोबल) एवं शिल्प का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास पहाड़ चोर के अध्ययन से उत्तराखंड के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धांतिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Elective
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	**मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।**	**20**
Unit II	**सुभाष पंत : पहाड़ चोर** (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	**20**
Unit III	सात कहानियाँ (1.रज्जो-रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 2- **अद्धांगिनी- शैलेश मटियानी**, 3. **कोसी का घटवार** - शेखर जोशी, 4. **फट जा पंचधार-विद्यासागर नौटियाल**, 5. **खाका-मोहन थपलियाल**, **6. पारस** - नवीन कुमार नैथानी 7-बेटे की मां - कुसुम भट्ट) संपा.डा० मुक्तिनाथ यादव : कथा सप्तक	**15**
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	**5**

सहायक ग्रंथ –

1. पालतू बोहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बातें -मुलाक़ातें : मनोहरश्यामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सुभाष पन्त :सृजन और रचना कौशल : सविता मोहन
4. पत्रकारिता के युग निर्माता : मनोहर श्याम जोशी : प्रभात रंजन , प्रभात प्रकाशन दिल्ली .
5. कथा पुरुष शैलेश मटियानी : प्रकाश मनु , आलेख प्रकाशन

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आधुनिक हिन्दीकाव्य(छायावादोत्तर)	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi	Year: V	Semester:X Paper- DSE
Course Code: DSE16	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर)	

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी छायावादोत्तर हिन्दी कविता और उसकी विभिन्न काव्यधाराओं यथा प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी दिनकर के महाकाव्य उर्वशी के अध्ययन से भारतीय दर्शन की परम्परा से परिचित होता है तथा आधुनिक संसार में उसकी पुनर्व्याख्या का संधान करता है, जिससे उसे भेदबुद्धि यथा पाप-पुण्य, स्वर्ग-नर्क, ऊँच-नीच आदि से ऊपर उठकर संसार को समझने की चेतना, प्रेरणा व ज्ञान प्राप्त होता है।

CO3.शिक्षार्थी नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताओं के अध्ययन से प्रगतिशील हिन्दी कविता के स्रोत सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है। वह देश की वंचित, विपन्न, जातीय व वर्गीय भेदभाव की शिकार साधारण जनता की पीड़ा और संघर्ष को समझने की प्रेरणा पाता है तथा कविता में उस पीड़ा और संघर्ष की अभिव्यक्ति से काव्य-प्रयोजन की एक सर्वथा नवीन दिशा का ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, लीलाधर जगूड़ी, अशोक वाजपेयी आदि की कविताओं के अध्ययन से प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी छायावादोत्तर काल की हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4 | **Discipline Specific Elective**

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	छायावादोत्तर हिन्दी कविता का परिचय। प्रमुख काव्यान्दोलन	10
Unit II	समकालीन हिन्दी कविता	10
Unit III	रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग) प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	10
Unit IV	वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन': नागार्जुन' की प्रतिनिधि कविताएँ, (उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, मेरी भी आभा है इसमें, प्रतिबद्ध हूँ, वो हमें चेतावनी देने आये थे, सिन्दूर तिलकित भाल, वह दन्तुरित मुस्कान, यह तुम थीं, गुलाबी चूड़ियाँ, खुरदरे पैर, घिन तो नहीं आती है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बन्दूक) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
Unit V	समय राग - संपादक: डा. मधुबाला नयाल: (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, अशोक वाजपेयी, लीलाधर जगूड़ी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ -

1. कल्पना का उर्वशी विवाद : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. समकालीन हिन्दी कविता : ए अरविन्दाक्षन,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. नई कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिवोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
4. कई उम्रों की कविता:शिरीष कुमार मौर्य, आधार प्रकाशन
5. नागार्जुन और उनकी कविता : नंदकिशोर नवल राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
GROUP- 2		
Programme: -HINDI	Year: V	Semester:X Paper-DSE
CourseCode: DSE14	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि	

Course Outcomes:

CO1.आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक- राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक है, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच वदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Elective
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ	10
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुँवर बर्त्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit VI	राजेश सकलानी -(व्याख्या के लिए विस्मृत पहाड़ , पुश्तों का बयान , हमसे उम्मीद करो , खिलौने , खामोश बच्ची कविताएँ)	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वालि, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject	
Programme: -HINDI	Year: V Semester:X Paper- DSE
CourseCode: DSE15	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार

Course Outcomes:

CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों का कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान पाप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तरआधुनिक कथ्य(स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-ग्लोबल) एवं शिल्प का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास पहाड़ चोर के अध्ययन से उत्तराखंड के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का सैद्धांतिक आलोचनात्मक प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Elective
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	**मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।**	20
Unit II	सुभाष पंत : पहाड़ चोर (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	20
Unit III	सात कहानियाँ (1.रज्जो-रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 2- अर्द्धांगिनी- शैलेश मटियानी, 3. कोसी का घटवार - शेखर जोशी, 4. फट जा पंचधार-विद्यासागर नौटियाल, 5. खाका-मोहन थपलियाल, 6.पारस – नवीन कुमार नैथानी 7-बेटे की मां - कुसुम भट्ट) संपा.डा० मुक्तिनाथ यादव : कथा सप्तक	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. पालतू बोहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. वातें -मुलाक़ातें : मनोहरश्यामजोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मेरे साक्षात्कार : रमेशचंद्र शाह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. वाद-संवाद : रमेशचंद्र शाह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. संवेद– मुझे अच्छी तरह से देख (रमेशचंद्र शाह पर केंद्रित अंक), वर्ष 10 अंक 5-6, मई-जून 2018, प्रकाशक -https://notnul.com

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:X Paper- GE
Course Code: GE13	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद		

Course Outcomes:

CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। आज भी उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त वंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता पश्चात देश का सामना होना था।

CO3.शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार हैं। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है। CO6.शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।		
Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	रंगभूमि	20
Unit II	कुछ विचार	15
Unit III	**प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद – सम्पादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आयाम : अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचन: इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद – कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुषंग)

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : उत्तराखंड के हिन्दी कवि	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
GROUP- 3			
Programme: -HINDI		Year: V	Semester:X Paper-DSE
CourseCode: DSE14	Course Title: उत्तराखंड के हिन्दी कवि		

Course Outcomes:

CO1.आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक- राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक है, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. राजेश सकलानी समकालीन हिन्दी कविता में प्रमुख हस्ताक्षर हैं। देश और उत्तराखंड में पहाड़ उदारवाद, निजीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4		**Discipline Specific Elective**
Unit	**Topic**	**No. of Hours**
Unit I	कहै गुमानी, चयन तथा सम्पादन – उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ	10
Unit II	कितने फूल खिले - चंद्रकुँवर बर्त्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit III	प्रतिनिधि कविताएँ - लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit IV	प्रतिनिधि कविताएँ - मंगलेश डबराल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit V	प्रतिनिधि कविताएँ - वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, (व्याख्या के लिए आरंभ की पांच कविताएँ)	10
Unit VI	राजेश सकलानी (व्याख्या के लिए विस्मृत पहाड़ , पुश्तों का बयान , हमसे उम्मीद करो , खिलौने , खामोश वच्ची कविताएँ)	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली,
2. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject		
Programme: – Hindi		Year: V Semester:X Paper- GE
Course Code: GE13	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद	

Course Outcomes:

CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। आज भी उनकी परम्परा में कथा लेखन होता है। इस पाठ्यकम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त वंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता पश्चात देश का सामना होना था।

CO3.शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार हैं। उनकी प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से शिक्षार्थी प्रेमचंद की कहानियों के अन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।

Credits:4

Unit	Topic	Generic Elective No. of Hours
Unit I	रंगभूमि	20
Unit II	कुछ विचार	15
Unit III	**प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद – सम्पादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**	20
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद के आयाम : अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद एक विवेचनः इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद – कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुषंग)

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	4	3	1	0		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:X Paper- GE
Course Code: GE14	Course Title: विशिष्ट अध्ययन : सूरदास		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप पर हुई मीमांसा का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी भारतीय अध्यात्म एवं भक्ति में ज्ञानयोग की निर्गुणधारा और प्रेम माधुर्य की सगुणोपासना के विमर्श का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक और प्रकृति के कार्य-व्यवहार का रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी ईश्वर की लौकिकता और उससे सम्भव हुई संसार और समाज की शुभ्रता का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी उच्च जीवन मूल्यों तथा नैतिकता का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours

Unit I	सूरसागर सार - संपा. धीरेन्द्र वर्माः चयनित 25 पद टिप्पणीः सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।	25
Unit II	सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली	25
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सूर-साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सूरदास : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सूर-विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER X

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

Master's in Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: V	Semester:X Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION		

Course Outcomes:

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

Credits:6

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I	Dissertation on Major	

OR		
GROUP II OR	**Dissertation on Minor**	
GROUP III	**Academic Project/ Enterprenureship**	
	(Tutorial, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

****